# University in News on 29 December 2019

## Amar Ujala-My City Page 5

# प्रो. आलोक राय लविवि के कुलपति

### बीएचयू के प्रबंध अध्ययन विभाग से हैं प्रो. राय, राज्यपाल ने लगाई मुहर, तीन साल पद पर रहेंगे

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज के प्रो. आलोक कुमार राय को लखनऊ विवि का नया कुलपति बनाया गया है। वे तीन साल तक पद पर रहेंगे।

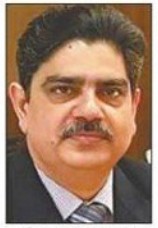

वीसी प्रो. एके राय।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शनिवार को कुलपति पद के लिए उनके नाम पर मुहर लगा दी।

लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. एसपी सिंह का कार्यकाल समाप्त होने के बाद 12 नवंबर से विवि के कुलसचिव शैलेश शुक्ला को कुलपति पद का अतिरिक्त कार्यभार दिया गया था।

प्रो. आलोक राय मार्केटिंग मैनेजमेंट, कस्मटर रिलेशनशिप मैनेजमेंट और एंटरप्रेन्योरशिप डवपलमेंट मामलों के विशेषज्ञ हैं। विभिन्न विश्वविद्यालयों के कार्य परिषद सदस्य के साथ वे विजिटर नॉमिनी और नैक के निरीक्षण की समिति में भी शामिल हैं।

### ये होंगी मुख्य चुनौतियां

- फ्रीज अनुदान की वजह से आर्थिक संकट
- शिक्षकों की गुटबाजी को रोकना
- फर्जी अंकपत्र, फर्जी चेक से भुगतान और एलएलबी पेपर लीक मामले का निपटारा
- लविवि को नैक के लिए तैयार करना तथा अच्छा स्थान दिलाना
- एनआईआरएफ की रैंकिंग के लिए लविवि को तैयार करना
- विश्वविद्यालय में शोध की स्थिति को सुधारना
- लविवि में प्लेसमेंट की स्थिति में सुधार करना
- विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों की खाली रहने वाली सीट को भरने की चुनौती
- विश्वविद्यालय में सेमेस्टर प्रणाली को शुरू हुए विरोध से निपटना

### इलाहाबाद, बीएचयू और पूर्वांचल विवि से की पढ़ाई

प्रो. आलोक कुमार राय ने इलाहाबाद, बीएचयू और पूर्वांचल विवि से अपनी पढ़ाई पूरी की है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय से उन्होंने स्नातक, बीएचयू से एमबीए और पूर्वांचल विवि से एमबीए की पढ़ाई पूरी की है। इसके बाद वे बीएचयू में ही फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज से जुड़ गये। मूलतः मार्केटिंग मैनेजमेंट और उपभोक्ता व्यवहार से जुड़े मुद्दों पर वे काम करते हैं।

## लविवि को एनआईआरएफ की रैंकिंग में शामिल करना है लक्ष्य

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति नियुक्त किए गए प्रो. आलोक कुमार राय के अनुसार, नेशनल इंस्टीट्यूशन रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में राज्य विश्वविद्यालयों की उपस्थिति न के बराबर होना अफसोसजनक है। इसलिए लविवि का वीसी बनने के बाद उनका पहला लक्ष्य लखनऊ विश्वविद्यालय को एनआईआरएफ की रैंकिंग में स्थान दिलाना है। प्रो. आलोक के अनुसार, कार्यभार ग्रहण करने के बाद वे विस्तृत कार्ययोजना तैयार करेंगे। मानव संसाधन मंत्रालय की ओर से जारी एनआईआरएफ की रैंकिंग में प्रदेश के कुछ ही संस्थान स्थान बना सके हैं। लविवि समेत ज्यादातर राज्य विश्वविद्यालयों ने इसके लिए आवेदन ही नहीं किया था।

**कुलपति ने कहा- रैंकिंग में राज्य विश्वविद्यालयों का शामिल न होना निराशाजनक**

प्रो. आलोक कुमार राय के अनुसार, उत्तर प्रदेश से एनआईआरएफ की रैंकिंग में स्थान बनाने वाले संस्थानों की संख्या काफी कम है। जो संस्थान हैं भी उनमें से ज्यादातर केंद्रीय दर्जे के हैं। उत्तर प्रदेश के अलावा अन्य राज्यों में राज्य विश्वविद्यालय काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश में भी यह संभव है। लखनऊ विश्वविद्यालय का कुलपति बनने के बाद वे इसकी शुरुआत होगी। उनका पहला लक्ष्य होगा कि विवि को एनआईआरएफ की रैंकिंग में अच्छे स्थान पर पहुंचाना।

### स्थापना के 100वें साल को खास बनाने का मौका

लविवि ने 25 नवंबर को अपनी स्थापना के सौवें साल में प्रवेश किया है। सौवें साल की शुरुआत पर नियमित कुलपति न होने का असर इसके स्थापना दिवस समारोह पर भी पड़ा था। यहां तक कि स्थापना दिवस समारोह में हर साल होने वाला पूर्व छात्र सम्मान समारोह का आयोजन भी न हो सका। ऐसे में लविवि के नये कुलपति प्रो. आलोक राय के पास सौवें साल के जश्न को खास बनाने का मौका होगा।

### आर्थिक संकट और गुटबाजी से निपटना चुनौती

नए कुलपति के सामने सबसे बड़ी चुनौती विवि का आर्थिक संकट होगा। लविवि को प्रदेश सरकार से अनुदान फ्रीज होने की वजह से हर साल सिर्फ 34 करोड़ रुपये की एकमुश्त राशि ही मिलती है। जबकि विवि में वेतन मद पर ही हर साल करीब 160 करोड़ रुपये खर्च होते हैं। ऐसे में आर्थिक तंगी के बीच विवि को नैक और एनआईआरएफ की रैंकिंग में अच्छा स्थान दिलाना बड़ी चुनौती है। दूसरी बड़ी समस्या शिक्षकों की गुटबाजी है। पिछले तीन साल से इस गुटबाजी ने बड़ा रूप ले लिया है। इससे निपटना भी लविवि कुलपति के सामने बड़ी चुनौती होगा।

## NBT Page 1

# प्रो. आलोक कुमार एलयू के नए वीसी

■ एनबीटी, लखनऊ : लखनऊ यूनिवर्सिटी को करीब पौने दो महीने बाद नया वीसी मिल गया। बीएचयू के मैनेजमेंट स्टडीज विभाग के प्रो. आलोक कुमार राय को विवि का नया वीसी बनाया गया है। कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल ने शनिवार को आदेश जारी कर दिया। 11 नवंबर को प्रो. एसपी सिंह का कार्यकाल पूरा होने के बाद से पद खाली था और रजिस्ट्रार एसके शुक्ल को कार्यवाहक वीसी का जिम्मा मिला था।

आलोक कुमार

▸▸ पेज 9

## Dainik Jagran Page 3

# प्रो. आलोक कुमार राय बने लविवि के कुलपति

जेएनएन, लखनऊ : प्रो. आलोक कुमार राय को लखनऊ विश्वविद्यालय का नया कुलपति बनाया गया है। वह बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज में प्रोफेसर हैं। राज्यपाल व कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने उन्हें पदभार ग्रहण करने की तारीख से तीन वर्ष के लिए कुलपति नियुक्त किया है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के निवर्तमान कुलपति प्रो.सुरेंद्र प्रताप सिंह का कार्यकाल 11 नवंबर को पूरा होने के बाद रजिस्ट्रार एसके शुक्ला को लविवि का कार्यवाहक कुलपति बनाया गया था। शनिवार को नए कुलपति की नियुक्ति हो गई।

**लविवि को शिखर तक पहुंचाने का रहेगा प्रयास : मूल**

प्रो. आलोक कुमार राय ● जागरण

रूप से गाजीपुर के रहने वाले प्रो. आलोक राय बताते हैं कि उनकी पूरी शिक्षा वाराणसी से हुई है। लविवि का कुलपति बनाए जाने और भविष्य की कार्ययोजना के सवाल पर उनका कहना है कि विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए हर संभव प्रयास करूंगा।